PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH-160014 (INDIA)

(Estd. under the Panjab University Act VII of 1947 - enacted by the Govt. of India)

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABI

FOR

M.A. HINDI (SEMESTER SYSTEM)

For the session 2023-24

--

:o:--

© The Registrar, Panjab University, Chandigarh.

All Rights Reserved.

APPLICABILITY OF REGULATIONS FOR THE TIME BEING IN FORCE

Notwithstanding the integrated nature of a course spread over more than one academic year, the regulations in force at the time a student joins a course shall hold good only for the examinations held during or at the end of the academic year. Nothing in these regulations shall be deemed to debar the University from amending the regulations subsequently and the amended regulations, if any, shall apply to all students whether old or new.

GUIDELINES FOR CONTINUOUS INTERNAL ASSESSMENT (20%) FOR REGULAR STUDENTS OF POST-GRADUATE COURSES of M.A. Hindi (Semester System)

(Effective from the First Year Admissions for the Academic Session 2005-2006)

1. The Syndicate has approved the following guidelines, mode of testing and evaluation including Continuous Internal Assessment of students :

   (i) Terminal Evaluation : 80%
   (ii) Continuous Assessment : 20%
   (iii) Continuous Assessment may include written assignment, snap tests, participation in discussions in the class term papers, attendance etc.
   (iv) In order to incorporate an element of Continuous Internal Assessment of students, the Colleges/Departments will conduct one written test as quantified below:

(a)	Written Test	:	25 (reduced to 5)
(b)	Snap Test	:	25 (reduced to 5)
(c)	Participation in Class Discussion	:	15 (reduced to 3)
(d)	Term Paper	:	25 (reduced to 5)
(e)	Attendance	:	10 (reduced to 2)
	Total :		**100 reduced to 20**

2. Weightage of 2 marks for attendance component out of 20 marks for Continuous Assessment shall be available only to those students who attend 75% and more of classroom lectures/seminars/workshops. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under :

Attendance Component		*Mark/s for Theory Papers*
(a)	75 % and above upto 85 %	: 1
(b)	Above 85 %	: 2

3. It shall **not be compulsory to** pass in Continuous Internal Assessment. Thus, whatever marks are secured by a student out of 20% marks, will be carried forward and added to his/her score out of 80 %, i.e. the remaining marks allocated to the particular subject and, thus, he/she shall have to secure pass marks both in the University examinations as well as total of Internal Continuous Assessment and University examinations.

4. Continuous Internal Assessment awards from the affiliated Colleges/Departments must be sent to the Controller of Examinations, by name, **two weeks before** the commencement of the particular examination on the *proforma* obtainable from the Examination Branch.

SPECIAL NOTES :

(i) The theory paper will be of 80 marks and 20 marks will be for internal assessment.

(ii) For the private candidates, who have not been assessed earlier for internal assessment, the marks secured by them in theory paper will proportionately be increased to maximum marks of the paper in lieu of internal assessment.
The paper-setter must put note (ii) in the question paper.

(iii) In the case of Postgraduate Courses in the Faculties of Arts, Science, Language, Education, Design & Fine Arts, and Business Management & Commerce, falling under the purview of Academic Council, where such a provision of Internal Assessment/Continuous Assessment already exists, the same will continue as before.

(iv) The marks obtained by a candidate in Continuous Internal Assessment in Postgraduate Classes from the admissions of 2004 will be shown separately in the Detailed-Marks-Card (D.M.C.).

.....

एम. ए. हिन्दी

सेमेस्टर–एक

प्रश्न–पत्र 1

हिन्दी साहित्य का आदिकाल व मध्यकाल

पूर्णांक	–	80
आंतरिक मूल्यांकन	–	20
समय	–	3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

1. इस प्रश्न–पत्र के दो खंड होंगे। दोनों खंडों से चार दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से हर खंड से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

4×15 =60

2. लघूत्तरी प्रश्न दोनों खंडों से पूछे जाएंगे, जिनमें 8 प्रश्नों में से 4 के उत्तर देने होंगे। (लगभग 80–100 शब्द)।

5×4 =20

खंड एक

1. साहित्येतिहास का महत्त्व, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
3. आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार।
4. सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य।

खंड–2

1. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, सगुण और निर्गुण काव्य धाराएँ उनका वैशिष्ट्य

2. संतकाव्य, प्रमुख संत कवि और उनका योगदान

3. सूफी काव्य; प्रमुख कवि, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति व लोकजीवन के तत्त्व

4. राम काव्य, प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य

5. कृष्ण काव्य, प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य

6. रीतिकाल–नामकरण, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ, प्रतिनिधि कवि व रचनाएँ

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

रामकुमार वर्मा : हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नव साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।

गणपति चन्द्रगुप्त	:	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़।
नगेन्द्र (संपादक)	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हरिश्चन्द्र वर्मा	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
बच्चन सिंह	:	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

एम॰ ए॰ हिन्दी

सेमेस्टर–एक

प्रश्न–पत्र 2

आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांक	– 80
आंतरिक मूल्यांकन	– 20
समय	– 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन

1. प्रत्येक रचना में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न और दो–दो व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न और तीन व्याख्याएँ करनी होंगी। प्रत्येक रचना से एक प्रश्न और एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

2. लघूत्तरी प्रश्न :

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

3 अंक–विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3×7 =21
तीन दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न	3×15 =45
चार लघूत्तरी प्रश्न	4×3.5 =14

पाठ्यक्रम

1.	मैथिलीशरण गुप्त	:	यशोधरा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2	सं.ही. वात्स्यायन'अज्ञेय'	:	नदी के द्वीप, असाध्य वीणा बावरा अहेरी पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ (अज्ञेय,(सं.)विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एडं सन्स, नई दिल्ली).
3	नागार्जुन	:	10 कविताएँ (प्रतिनिधि कविताएं–राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली) प्रतिबद्ध हूँ, कल्पना के पुत्र हैं भगवान,सिंदूर तिलकित भाल, गुलाबी–चुड़ियाँ उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, मेरी भी आशा है इसमें पैने दांतों वाली, अकाल और उसके बाद

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम (निर्धारित कवि)

1. रामधारी सिंह दिनकर
2. हरिवंश राय बच्चन
3. श्री धर पाठक
4. सुदामा पाण्डेय, धूमिल

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

डॉ. रामस्वरूप चर्तुवेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	:	अज्ञेय, नेशनल पब्लिकेशन्स हाउस, दिल्ली ।

डॉ. दीपक : नागार्जुन का काव्य : जीवन मूल्यों का संदर्भ (दिल्ली: इंडिया नेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, 2021)

एम॰ ए॰ हिन्दी

सेमेस्टर-एक

प्रश्न-पत्र 3

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

पूर्णांक	– 80
आंतरिक मूल्यांकन	– 20
समय	– 3 घंटे

निर्देश व अंक-विभाजन

1. प्रत्येक रचना में से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न और दो-दो व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न और तीन व्याख्याएँ करनी होंगी। प्रत्येक रचना से एक प्रश्न और एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

2. लघूत्तरी प्रश्न :

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

3. अंक-विभाजन

तीन व्याख्याएँ	3×7 =21
तीन दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न :	3×15 =45
चार लघूत्तरी प्रश्न	4×3.5 =14

पाठ्यक्रम

1 नाटक	आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
2 उपन्यास	गोदान	प्रेमचन्द

3. निबन्ध : चिन्तामणि भाग–1 : रामचन्द्र शुक्ल

1. श्रद्धा–भक्ति
2. लज्जा और ग्लानि
3. तुलसी का भक्ति–मार्ग
4. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम

1. नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. उपन्यासकार : यशपाल
3. निबन्धकार : हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गोपालराय : गोदान : एक नया परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

यश गुलाटी : प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास–1, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

डॉ॰ जगमोहन चोपड़ा : आधुनिक हिन्दी उपन्यास, विक्रान्ति प्रेस, दिल्ली।

गिरिजा रस्तोगी : मोहन राकेश और उसके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

पुष्पा बंसल : मोहन राकेश का नाट्य साहित्य, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।

एम. ए. हिन्दी

सेमेस्टर–एक

प्रश्न–पत्र 4

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त और हिन्दी आलोचक

पूर्णांक – 80
आंतरिक मूल्यांकन – 20
समय – 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

इस प्रश्न–पत्र में प्रश्न दो प्रकार से पूछे जाएँगे। कुल आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएगे, जिनमें से चार का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रश्न–पत्र में पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार प्रश्न पूछे जाएंगे कि परीक्षार्थी के लिए पूरे पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य हो जाए। इससे संबंधित पाठ्यक्रम दो खंडों में विभाजित होगा। खंड (क) में से तीन और खंड (ख) में से एक प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त पूरे पाठयक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 70–80 शब्दों में दिया जाए।

अंक -विभाजन :

चार दीर्घ प्रश्न : 4×15 =60

चार लघूत्तरी प्रश्न : 4×5 =20

पाठ्यक्रम

खंड–क

1. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार

2. रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

3. अलंकार सिद्धान्त : मूल रचनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

4. रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

5. वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

6. ध्वनि–सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद एवं ध्वनि– काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत– व्यंग्य।

7. औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

खंड–ख

1. हिन्दी आलोचक : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ॰ नामवर सिंह

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र, साहित्य सदन, झांसी ।
2. रामदहिन मिश्र : काव्यदर्पण, ग्रंथमाला प्रकाशन, पटना ।
3. राजवंश सहाय 'हीरा' : साहित्यशास्त्र कोश ।
4. डॉ॰ नगेन्द्र : रस सिद्धान्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा : काव्य के तत्त्व
6. नंद किशोर नवल : हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

एम. ए. (हिन्दी)

सेमेस्टर–दो

प्रश्न–पत्र 1

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

पूर्णांक – 80

आंतरिक मूल्यांकन – 20

समय – 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन

1. इस प्रश्न–पत्र में दो खंड होंगे। दोनों खंडों में चार–चार दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से हर खंड से दो प्रश्नो के उत्तर देने होंगे।

4×15=60

2. लघूत्तरी प्रश्न दोनों खंडों से पूछे जाएंगे, जिनमें 8 प्रश्नों में से 4 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द–सीमा लगभग 80–100 शब्द) 4×5=20

खंड एक

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, नामकरण, काल विभाजन, विशिष्टताएँ, आधुनिक काल व नवजागरण।
2. भारतेन्दु युग, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ
3. द्विवेदी युग, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ
4. छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ
5. उत्तर–छायावादी काव्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

खंड दो

1 हिन्दी गद्य का आरंभ व विकास,

2 कहानी विधा का विकास, प्रमुख आंदोलन

3 उपन्यास विधा का विकास, विभिन्न वर्ग (यथार्थवादी, मनोविश्लेषणवादी), आदर्शवादी, तिलिस्मी–ऐयारी)

4 नाटक विधा का विकास, रंगमंच का विकास, नाटक और रंगमंच का संबंध

5 निबन्ध विधा का विकास, निबंधों के विविध प्रकार

6 हिन्दी आलोचना का विकास,

7 नव्यतर विधाओं का विकास, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, आदि

8 हिन्दी पत्रकारिता का विकास, साहित्यिक पत्रकारिता

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

रामकुमार वर्मा हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नव साहित्य प्रेस, इलाहाबाद।

गणपति चन्द्रगुप्त हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़।

नगेन्द्र (संपादक) : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

हरिश्चन्द्र वर्मा : हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

रचना भोला 'यामिनी' : हिन्दी पत्रकारिता उद्भव और विकास, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।

डॉ॰ जितेन्द्र वत्स : हिन्दी पत्रकारिता रीति, नीति एवं वृत्तिं, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

एम॰ ए॰ (हिन्दी)

सेमेस्टर–दो

प्रश्न–पत्र 2

आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांक	– 80
आंतरिक मूल्यांकन	– 20
समय	– 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन

1. प्रत्येक रचना में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न और दो–दो व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न और तीन व्याख्याएँ करनी होंगी। प्रत्येक रचना से एक प्रश्न और एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

2 लघूत्तरी प्रश्न

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

3. अंक–विभाजन

तीन व्याख्याएँ :	$3 \times 7 = 21$
तीन दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न :	$3 \times 15 = 45$
चार लघूत्तरी प्रश्न :	$4 \times 3.5 = 14$

पाठ्य पुस्तकें :

1. जय शकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता, आनन्द, सर्ग), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : राग–विराग (सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, मैं अकेला, स्नेह निर्झर बह गया है)

3 मुक्तिबोध : चाँद का मुहं टेढ़ा है। (अँधेरें में) काव्य संग्रह भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली ।

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम (निर्धारित कवि)

1. महादेवी वर्मा
2. रघुवीर सहाय
3. दुष्यंत कुमार
4. गिरजाकुमार माथुर

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

डॉ. राम विलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

डॉ. नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

गजानन माधव मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार, साहित्य भारती, दिल्ली।

चंचल चौहान : मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

नंद किशोर नवल : मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

एम॰ ए॰ (हिन्दी)

सेंमेस्टर–द्वितीय

प्रश्नपत्र–3

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

पूर्णांक	– 80
आंतरिक मूल्यांकन	– 20
समय	– 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

1. प्रत्येक रचना में से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न और दो–दो व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न और तीन व्याख्याएँ करनी होंगी। प्रत्येक रचना से एक प्रश्न और एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

2. लघूत्तरी प्रश्न

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

3. अंक–विभाजन

तीन व्याख्याएँ :	3×7 = 21
तीन दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न :	3×15 =45
चार लघूत्तरी प्रश्न :	4×3.5 =14

पाठ्यक्रम

1. नाटक	:	चन्द्रगुप्त	:	जयशंकर प्रसाद
2. उपन्यास	:	तमस	:	भीष्म साहनी
3. कहानी	:	जैनेन्द्र की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ,	:	जैनेन्द्र कुमार पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।

जैनेन्द्र कुमार की निर्धारित कहानियाँ

1. फोटोग्राफी 2. खेल 3 अपना–अपना भाग्य
4. एक रात 5. जाह्नवी 6. बाहुबली
7. त्रिवेणी 8. धुव्रयात्रा 9. पत्नी
10. पाजेब 11. रूकिया बुढिया

लघूत्तरी प्रश्नों का पाठ्यक्रम

1. नाटककार : सुरेन्द्र वर्मा
2. उपन्यासकार : कृष्णा सोबती
3. कहानीकार : कमलेश्वर, मन्नू भंडारी

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. चमन लाल : प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास–1, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
2. डॉ. जगमोहन चोपड़ा : आधुनिक हिन्दी उपन्यास, विक्रान्ति प्रेस, दिल्ली।
3. अतुलवीर अरोड़ा : आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास, पब्लिकेशन्ज ब्यूरो, पजाब वि. वि., चण्डीगढ़।
4. रामदरश मिश्र : हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा, भारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. डॉ. नीरजा सूद : समाज–मनोविज्ञान के संदर्भ में जैनेन्द्र का कथा साहित्य, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
6. गोबिन्द चातक : प्रसाद : नाट्य और रंगमंच, भारती प्रकाशन दिल्ली।

एम॰ ए॰(हिन्दी)

सेमेस्टर–दो

प्रश्नपत्र–4

पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन आलोचना सिद्धान्त

पूर्णांक — 80
आंतरिक मूल्यांकन — 20
समय — 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन

इस प्रश्न–पत्र में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएँगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना आवश्यक होगा। इस प्रश्न–पत्र में पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार प्रश्न पूछे जाएंगे कि परीक्षार्थी के लिए पूरे पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य हो जाए। इससे संबंधित पाठ्यक्रम दो खंडों में विभाजित होगा। खंड (क) में से दो और खंड (ख) में से भी दो प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। इससे दूसरे स्तर पर पूरे पाठयक्रम से आठ लघु प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80–100 शब्दों में दिया जाए।

अंक–विभाजन :

चार दीर्घ प्रश्न : 4×15=60

चार लघूत्तरी प्रश्न : 4×5 =20

पाठयक्रम

खंड–क)

1. प्लेटो — आदर्शवाद

2. अरस्तू — अनुकरण सिद्धान्त एवं विरेचन सिद्धान्त

3. होरेस : औचित्य सिद्धान्त

4. लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त

5. टी. एस. इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत

6. आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त

7. क्रोचे का अभिष्यंजनावाद

8. विलियम वर्ड्सवर्थ का काव्य सिद्धांत

खंड–ख)

1. मार्क्सवाद

2. मनोविश्लेषणवाद

3. अस्तित्ववाद

4. शैलीविज्ञान

5. संरचनावाद और उत्तर–आधुनिकतावाद

6. नारी विमर्श एवं दलित विमर्श

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

भागीरथ दीक्षित : समीक्षालोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

बच्चन सिंह : आलोचना और आलोचक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

रामचन्द्र तिवारी : आलोचक का दायित्व, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

निर्मला जैन : नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

क्षमा शर्मा : स्त्रीत्ववादी विमर्श, समाज और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

योजना रावत : स्त्री विमर्शवादी उपन्यास : सृजन एव संभावना, लोक वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर–तीन

पूर्णांक – 80
आंतरिक मूल्यांकन – 20
समय – 3 घंटे

प्रश्न पत्र–एक

भाषा–विज्ञान एवं हिन्दीतर भाषाओं का अध्ययन

- अंक विभाजन :
- दीर्घ प्रश्न : 4×15=60
- लघु प्रश्न : 4×5 =20 (लगभग 80–100 शब्द)

खंड– (क)

1. भाषा एवं भाषा–विज्ञान

क) भाषा : परिभाषा तथा प्रकृति

ख) भाषा के विविध रूप : व्यक्ति बोली, उपबोली, मातृभाषा, राज्यभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा एवं अन्तरराष्ट्रीय भाषा

ग) भाषा–विज्ञान : स्वरूप, अध्ययन की शाखाएँ, आधुनिक भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय

घ) भारत में भाषा अध्ययन की प्राचीन परंपरा : शिक्षा, प्रातिशाख्य, निरुक्त, यास्क, पाणिनि, भर्तृहरि

2. ध्वनि–विज्ञान

ध्वनि की उत्पत्ति प्रक्रिया, ध्वनि यंत्र, ध्वनि के प्रकार, स्वर तथा व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण, स्वनिम की परिभाषा एवं भेद

खंड–(ख)

1. भाषा परिवार

क) भाषा परिवार से अभिप्राय

ख) भारत में आर्येतर भाषा परिवार और उनकी भाषाओं का सामान्य परिचय : द्रविड़ परिवार की भाषाएँ–तेलुगु, तमिल, मलयालम तथा कन्नड़, आग्नेय परिवार की भाषाएँ और तिब्बती चीनी परिवार की भाषाएँ

ग) आर्य परिवार की भाषाएँ–वैदिक संस्कृत की ध्वनियाँ एवं रूप संरचना, लौकिक संस्कृत की ध्वनियां एवं रूप संरचना, अपभ्रंश की ध्वनियाँ एवं रूप संरचना, अवहट्ट की ध्वनियाँ एंवं रूप संरचना

घ) आधुनिक भारतीय हिन्दीतर आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय– मराठी, गुजराती, बंगला, असमी एवं उड़िया

निर्देश –

इस प्रश्न पत्र में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जायेंगे। पहले स्तर पर संपूर्ण पाठ्यक्रम से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रश्न पत्र इस प्रकार से निर्धारित होगा, जिससे सारा पाठ्यक्रम समेटा जा सके। खंड (क) से दो आलोचनात्मक प्रश्न और खंड (ख) से दो आलोचनात्मक प्रश्न करने अनिवार्य होंगे।

दूसरे स्तर पर संपूर्ण पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के आठ लघु प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक 4 है। शब्द सीमा 80–100 शब्द।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

1. बाबूराम सक्सेना, सामान्य भाषाविज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
2. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
3. देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. विश्वनाथ प्रसाद, लिंगविस्टिक सर्वे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
6. विश्वनाथ प्रसाद, भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

एम ए–हिन्दी सेमेस्टर–तीन

पूर्णांक : 80

आंतरिक मूल्यांकन– 20

समय : 3 घण्टे

दूसरा प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित है

क) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः पद्यांश 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूंछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्याएं करनी अनिवार्य होगी। प्रत्येक कवि से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।

3×7=21

ख) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक कवि से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

3×15 =45

ग) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, चार प्रश्नों के उत्तर 80–100 शब्दों में देने होंगे। यें प्रश्न रचनाकार की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होगा ।

4×3.5 =14

क–ख के अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (व्याख्या एवं दीर्घ प्रश्न)

1. कबीरदास : कबीर वाणी, आरंभिक 25 पद, सं॰ पारसनाथ तिवारी,
2. सूरदास : भ्रमरगीत सार, प्रारंभिक 25 पद, सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. मीराबाई : मीराबाई की पदावली, प्रारंभिक 25 पद, सम्पादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित कवि :

1. पुष्पदंत 2. कुतुबन 3. सुन्दरदास 4. नामदेव

एम ए–हिन्दी सेमेस्टर–तीन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

तृतीय प्रश्न पत्र : विकल्प : 1 आंतरिक मूल्यांकन– 20

तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन

आवश्यक निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित है।

1. भाग क एवं भाग ख से तीन-तीन व्याख्यात्मक अवतरण दिये जायेंगे। कुल तीन अवतरणों की व्याख्या करें। प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक अवतरण की व्याख्या अनिवार्य है। 3×7= 21

2. भाग क एवं भाग ख से तीन-तीन दीर्घ प्रश्न दिये जायेंगे। कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 3×15=45

3. भाग ग में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघुत्तरी प्रश्न दिये जायेंगे, जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में देने होंगे। ये प्रश्न रचनाकार की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। 4×3.5=14

भाग (क) : रामचरितमानस का बालकांड, गीता प्रेस, गोरखपुर

भाग (ख) : विनय पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर

निम्नलिखित पद पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं:

पद संख्य:

1, 5, 7, 30, 31, 32, 36, 41, 45, 66, 76,

79, 88, 89, 105, 111, 172, 174, 198, 227

भाग (ग) : लघूतरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. रामाज्ञाप्रश्न
2. पार्वतीमंगल
3. गीतावली
4. बरवै रामायण

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

राममूर्ति त्रिपाठी : तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

बलदेव प्रसाद मिश्र : तुलसीदर्शन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

रामनरेश वर्मा : सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

विष्णुकांत शास्त्री : तुलसी के हिय हेरि राम, लोक भारती, इलाहाबाद

उदयभानु सिंह : तुलसी–दर्शन–मीमांसा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

लक्ष्मीनारायण शर्मा : सार्वभौम श्रीराम, चिंतन प्रकाशन, पिलानी

बैजनाथ प्रसाद : भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, विशाल पब्लिकेशन, पटना

रत्नाकर पाण्डेय : तुलसीदास और उनका संदेश, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

नगेन्द्र : तुलसी संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

माताप्रसाद गुप्त : तुलसीदास, लोकभारती, इलाहाबाद

लल्लन राय : तुलसी की साहित्य साधना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर–तीन समय : तीन घंटे, पूर्णांक : 80

प्रश्नपत्र–तीन, विकल्प–2 आंतरिक मूल्यांकन– 20

सूरदास एवं अन्य कृष्ण भक्त कवि

अंक विभाजन :

- दीर्घ प्रश्न : 3×15=45
- व्याख्या : 3×7=21
- लघु प्रश्न : 4×3.5 =14

निर्देश :

क) छः दीर्घ प्रश्न 'सूरदास' के दोनों अध्यायों में से पूछे जायेंगे जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 15 हैं। प्रत्येक अध्याय से कम से कम एक आलोचनात्मक प्रश्न अनिवार्य होगा।

ख) 'सूरसागर' के दोनों अध्यायों में से छह पद दिए जायेंगे जिनमें से किन्ही तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए निर्धारित अंक 7 हैं। प्रत्येक अध्याय में से कम से कम एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

ग) अन्य कृष्ण भक्त कवि

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचनाकार की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

पाठ्यक्रम :

1. सूरसागर, संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि., जीरो रोड, इलाहाबाद

क) विनय तथा भक्ति

ख) गोकुल लीला

2. अन्य कृष्णभक्त कवि

क) परमानंददास

ख) कुंभनदास

ग) कृष्णदास

घ) हितहरिवंश

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

डॉ॰ प्रेमनारायण टंडन, (सं॰) ब्रज भाषा सूर कोश, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

डॉ॰ शशि अग्रवाल, हिन्दी कृष्णभक्ति के काव्य पर पुराणों का प्रभाव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

नंददुलारे वाजपेयी, सूरसागर (सं॰), (दूसरा खंड), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

प्रभुदयाल मीतल, साहित्य लहरी, साहित्य संस्थान, मथुरा

डॉ॰ पुरूषोत्तम अग्रवाल, मध्यकालीन हिन्दी कृष्ण काव्य में रूप–सौन्दर्य, रोशनलाल जैन एण्ड संस, इलाहाबाद

डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा (सं॰), सूरसागर सटीक, साहित्य भवन, प्रा. लि., इलाहाबाद

दीनदयाल गुप्त, अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

हरवंशलाल शर्मा, सूर और उनका काव्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़

एम. ए–हिन्दी सेमेस्टर–तीन

तृतीय प्रश्न पत्र : विकल्प : (iii) पूर्णांक : 80

आंतरिक मूल्यांकन– 20

हिन्दी उपन्यास समय : 3 घण्टे

अंक– विभाजन

दीर्घ–उत्तर सापेक्ष आलोचनात्मक प्रश्न 3×15 =45

तीन व्याख्याएँ 3×7=21

लघु उत्तर सापेक्ष प्रश्न 4×3.5 =14

निर्देश :

तीन आलोचनात्मक दीर्घ उत्तर सापेक्ष प्रश्न और तीन सप्रंसग व्याख्या पूछी जाएंगी।

तीनों रचनाओं में से अथवा के रूप में तीन प्रश्न और तीन–तीन व्याख्याएँ पूछी जाएंगी।

हर कृति से एक आलोचनात्मक प्रश्न और एक व्याख्या अनिवार्य है।

खंड–(क)

निर्धारित उपन्यास

1. त्यागपत्र
2. नदी के द्वीप
3. राग दरबारी

खंड–ख

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

1. परीक्षा गुरु
2. गिरती दीवारें
3. मित्रो–मरजानी
4. रंगभूमि

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गोपाल राय, हिन्दी कथा साहित्य, ग्रन्थ निकेतन, चौधरी टोला, पटना

मैनेजर पांडेय, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

राजेन्द्र यादव, उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सुषमा धवन, हिन्दी–उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

नीरजा सूद, समाज मनोविज्ञान के संदर्भ में जैनेन्द्र का कथा साहित्य, सूर्य भारती, दिल्ली

गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

यश गुलाटी, प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

एम. ए. – सेमेस्टर–तीन

प्रश्न पत्र– 3

हिन्दी नाटक विकल्प–4

पूर्णांक – 80

आंतरिक मूल्यांकन – 20

समय – 3 घंटे

अंक–विभाजन :

व्याख्या 3×7=21

दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न 3×15 =45

लघूतरी प्रश्न 4×3.5 =14

निर्देश :

1. यह प्रश्न–पत्र दो खंडों मे विभाजित है। खंड क में तीन नाटकों में से विकल्प अथवा के रूप में छः व्याख्याएं और छः दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक रचना से एक आलोचनात्मक प्रश्न और एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। खंड (ख) के अन्तर्गत

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

खंड–क

आलोच्य एंव संदर्भगत नाटक

1. ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद
2. लहरों के राजहंस : मोहन राकेश
3. कोणार्क : जगदीश चंद्रमाथुर

खंड – ख

लघू प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

1. भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिशचन्द्र
2. खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर
3. पगला घोड़ा : बादल सरकार
4. माधवी : भीष्म साहनी

एम. ए. सेमेस्टर–तीन | पूर्णांक – 80

प्रश्न पत्र–तीन, विकल्प– पांच | आंतरिक मूल्यांकन – 20

हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप व विकास | समय – 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

1. इस प्रश्नपत्र के दो खंड होंगे। दोनों खंडों से चार–चार दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से हर खंड से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

4×15 =60

2. लघूत्तरी प्रश्न दोनों खंडों से पूछे जाएंगे, जिनमें 8 प्रश्नों में से 5 के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा लगभग 80–100 शब्द)।

4×5=20

खंड एक :

1. साहित्य व पत्रकारिता का संबंध पत्रकारिता के क्षेत्र में हिन्दी साहित्यकारों का योगदान, साहित्य के विकास में पत्रिकाओं की भूमिका।
2. पत्रकारिता का उद्भव, विकास एवं प्रकार– पत्रकारिता का उदय, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, सांस्कृतिक पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, ग्रामीण व विकास पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता।

खंड दो:

1. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास–हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय आंदोलन और पत्रकारिता, भारतेन्दुपूर्व युग की पत्रकारिता, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, छायावादोत्तर युग, आजादी की लड़ाई में भाषाई अखबारों की भूमिका।
2. हिन्दी के प्रमुख पत्र–पत्रिकाएं, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता, 21 वीं सदी मे पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां व दायित्व, पत्रकारिता का व्यवसायीकरण, मीडिया और समाज।

एम.ए. द्वितीय वर्ष (हिंदी): सेमेस्टर : III

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा: ऐच्छिक पेपर : III (विकल्प -VI)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम : 80

आतंरिक मूल्यांकन : 20

- इस प्रश्नपत्र में कुल तीन खण्ड होंगे| खण्ड-1 में निर्धारित कवि से कुल चार व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी|
- खण्ड-2 में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 3 प्रश्न करना अनिवार्य होगा| सम्पूर्ण रचना को आधार मानकर प्रश्न पूछे जाएंगे| राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा का महत्त्व, विशेषताएँ, उद्देश्य सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं|
- खण्ड-3 में निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल 15 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे| कवि का जन्म-मृत्यु, सम्मान, काव्य-संग्रहों के नाम, महत्त्वपूर्ण कविताओं के नाम, युग विशेष का प्रभाव, भाषा-शैली, विचारधारा से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे|

खण्ड-1

- श्यामनारायण पाण्डेय : हल्दीघाटी (खण्ड काव्य) 10+10=20

खण्ड-2

- श्यामनारायण पाण्डेय : हल्दीघाटी (खण्ड काव्य) 15x3=45

खण्ड-3

- सोहनलाल द्विवेदी, सुभद्राकुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर, गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', श्याम नारायण पाण्डेय, मोहनलाल महतो 15x1=15

सन्दर्भ पुस्तकें :

- श्याम नारायण पाण्डेय, हल्दीघाटी, सुभद्रा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
- सेवाग्राम, सोहनलाल द्विवेदी, इन्डियन प्रेस लिमिटेड, इलाहबाद, प्रथम संस्करण 1946
- सुभद्राकुमारी चौहान, मुकुल, श्रीचंद्रशेखर शास्त्री, ओझाबंधु-आश्रम, इलाहबाद
- गयाप्रसाद शुक्ल सनेही, उपेन्द्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ,
- मोहनलाल महतो की किताबें https://epustakalay.com/writer/12828-mohanlal-mahatoviyogi/ यहाँ उपलब्ध हैं|

एम. ए. , सेमेस्टर–तीन

प्रश्न पत्र–4

मीडिया लेखन और अनुवाद

पूर्णांक – 80

आंतरिक मूल्यांकन – 20

समय – 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

1. खंड एक से चार और खंड दो से दो आलोचनात्मक दीर्घ–उत्तर सापेक्ष प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमे से खंड एक से कोई दो व खंड दो से कोई एक प्रश्न करना होगा।

3×20 =60

2. दोनों खंडों मे से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा लगभग 80–100 शब्द)।

5×4=20

खंड एक – मीडिया लेखन

1. प्रिंट मीडिया में हिन्दी, हिन्दी के प्रमुख समाचार पत्र, पत्रिकाएं और उनका बदलता स्वरूप
2. इलैक्ट्रोनिक मीडिया में हिन्दी, आनलाइन व सोशल मीडिया में हिन्दी,
3. समाचार लेखन कला–समाचार और उसके अवयव, संवाददाता के गुण, समाचार ऐजंसियां
4. संपादन – संपादक के दायित्व, संपादन की प्रक्रिया, संपादक के गुण
5. फीचर लेखन – आलेख, कहानी और फीचर में अन्तर, फीचर के प्रकार
6. खोजी पत्रकारिता – अर्थ, महत्त्व और भूमिका, स्टिंग आपरेशन और नैतिकता का प्रश्न
7. जनसंपर्क और हिन्दी विज्ञापन – जनसंपर्क/विज्ञापन के क्षेत्र का महत्त्व, जनसंपर्क और विज्ञापन में संबंध, विज्ञापनों की भाषा और प्रकार

खंड– दो

1. अनुवाद का स्वरूप
2. अनुवाद का अर्थ

3. अनुवाद का महत्व

4. अनुवाद का क्षेत्र

5. अनुवाद के प्रकार

6. अनुवाद की प्रविधि।

7. व्यवहार में अनुवाद।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

1. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

2. रामशरण जोशी, पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

3. मनोहर श्याम जोशी, पटकथा लेखन–एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. रामचंद्र तिवारी, पत्रिका संपादन कला आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

5. आशा पांडेय, हिन्दी विज्ञापन की भाषा, ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशन, दिल्ली।

6. नंद किशोर त्रिखा, समाचार संकलन और लेखन, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

7. रमेश जैन, इलैक्ट्रोनिक मीडिया लेखन, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

8. मनोहर प्रभाकर, फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

9. चंद्र कुमार, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

10. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, दिल्ली।

11. रीतारानी पालीवाल, अनुवाद प्रक्रिया, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।

12. आलोक कुमार रस्तोगी, हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद, जीवन ज्योति, दिल्ली।

13. विश्वनाथ अय्यर, अनुवाद कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर–चार, समय : तीन घंटे, पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र–एक आंतरिक मूल्यांकन– 20

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का अध्ययन

खंड–(क)

अर्थ–विज्ञान

शब्द और अर्थ का संबंध

अर्थ परिवर्तन के कारण

अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

रूपविज्ञान : लक्षण और भेद

रूपविज्ञान : शब्द तथा पद, अर्थ-तत्व और संबंध-तत्व के प्रकार

खंड– (ख)

2 **हिन्दी भाषा का अध्ययन**

क) हिन्दी का स्वरूप परिचय, हिन्दी की उपभाषाएँ, उपभाषाओं की बोलियों का सामान्य परिचय, पश्चिमी हिन्दी तथा पूर्वी हिन्दी की पारस्परिक तुलना

ख) अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना

ग) ब्रजभाषा का सहित्यिक भाषा के रूप में विकास, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना

मानक हिन्दी

क) मानक हिन्दी और खड़ी बोली में अंतर

ख) मानक हिन्दी की ध्वनियाँ

ग) मानक हिन्दी में शब्द भंडार एवं उसके विविध स्रोत

घ) मानक हिन्दी की रूप संरचना–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय एवं अव्यय

ङ) मानक हिन्दी की वाक्य संरचना– वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार

छ) हिन्दी : राजभाषा के रूप और हिंदी का अंतरराष्ट्रीय महत्त्व

4. लिपि विषयक अध्ययन

क) प्राचीन भारतीय लिपियाँ–सिंधु घाटी की लिपि, खरोष्ठी लिपि और ब्राह्मी लिपि का सामान्य परिचय

ख) देवनागरी लिपि– नामकरण, देवनागरी लिपि के उद्‌भव के संबंध में विभिन्न मत और देवनागरी लिपि का विकास

ग) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और महत्त्व

घ) देवनागरी लिपि के दोष, दोष का सुधार और दोष सुधार के लिए किए गए प्रयास

ड) देवनागरी लिपि का मानक रूप तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण

निर्देश :

क) इस प्रश्न पत्र में दो स्तरों पर प्रश्न पूछे जायेंगे। पहले स्तर पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का निर्धारित अंक 15 है। खंड (क) में से दो प्रश्न और खंड (ख) में से दो प्रश्न करने अनिवार्य होंगे।

ख) दूसरे स्तर पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के आठ लघु प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से पांच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का निर्धारित अंक 4 है।

(शब्द सीमा 80–100 शब्द)

- अंक विभाजन :
- दीर्घ प्रश्न : 4×15=60
- लघूत्तरी प्रश्न : 4×5 =20

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

1. बाबूराम सक्सेना, सामान्य भाषाविज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

2. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

4. विश्वनाथ प्रसाद, भाषा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

5 .धीरेन्द्र वर्मा, ब्रजभाषा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

6. नरेश मिश्र, भाषाविज्ञान और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

7. किशोरीदास वाजपेयी, हिन्दी शब्दानुशासन, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी, वाराणसी

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर–चार,

दूसरा प्रश्न पत्र
समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 80
आंतरिक मूल्यांकन– 20

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में बंटा हुआ है।

क) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः पद्यांश 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्याएं करनी अनिवार्य होगी। प्रत्येक रचनाकार में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य होगी।

3×7 =21

ख) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न अथवा रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक रचनाकार में से एक आलोचनात्मक प्रश्न करना अनिवार्य होगा।

3×15 =45

ग) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे। शब्द सीमा 80–100 शब्द।

4×3.5 =14

खंड क–ख अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें (व्याख्या एवं दीर्घ प्रश्न)

1. मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत (सं॰) वासुदेवशरण अग्रवाल
   - मानसरोदक
   - नागमति– वियोग–खंड
2. तुलसीदास : कवितावली, बालकाण्ड, गीता प्रेस गोरखपुर ।
3. केशवदास : **रामचन्द्रिका** – अयोध्या काण्ड, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

खंड–ग

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

1. चन्दबरदाई
2. अमीर खुसरो
3. गुरूनानक देव
4. गुरु जम्भेश्वर महाराज (जंभनाथ)

एम. ए. हिन्दी सेमेस्टर-चार,
तृतीय प्रश्न पत्र : विकल्प : 1
समय : 3 घण्टे

पूर्णांक :80
आंतरिक मूल्यांकन– 20

तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन

आवश्यक निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित है।

1. भाग क एवं भाग ख से तीन-तीन व्याख्यात्मक अवतरण दिये जायेंगे। कुल तीन अवतरणों की व्याख्या करें। प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक अवतरण की व्याख्या अनिवार्य है। 3×7= 21

2. भाग क एवं भाग ख से तीन-तीन दीर्घ प्रश्न दिये जायेंगे। कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम-से-कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। 3×15=45

3. भाग ग में निर्धारित पाठ्यक्रम के बिना विकल्प के छः प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे। जिनका उत्तर 80–100 शब्दों में देना होगा। 4×3.5 =14

भाग (क) : रामचरितमानस का अयोध्याकांड, गीता प्रेस, गोरखपुर

भाग (ख) : कवितावली का उत्तरकांड, गीता प्रेस, गोरखपुर

भाग (ग) : लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

1. जानकी मंगल
2. श्रीकृष्ण गीतावली
3. हनुमान बाहुक
4. वैराग्य संदीपनी

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

रामभूर्ति त्रिपाठी : तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

बलदेव प्रसाद मिश्र : तुलसीदर्शन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

रामनरेश वर्मा : सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

विष्णुकांत शास्त्री : तुलसी के हिय हेरि राम, लोक भारती, इलाहाबाद

उदयभानु सिंह : तुलसी–दर्शन–मीमांसा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

लक्ष्मीनारायण शर्मा : सार्वभौम श्रीराम, चिंतन प्रकाशन, पिलानी

बैजनाथ प्रसाद : भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, विशाल पब्लिकेशन,पटना

रत्नाकर पाण्डेय : तुलसीदास और उनका संदेश, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

नगेन्द्र : तुलसी संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

माताप्रसाद गुप्त : तुलसीदास, लोकभारती, इलाहाबाद

लल्लन राय : तुलसी की साहित्य साधना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर –चार ,
तृतीय प्रश्न पत्र : विकल्प : 2

समय : तीन घंटे,
पूर्णांक : 80
आंतरिक मूल्यांकन– 20

सूरदास एवं अन्य कृष्णभक्त कवि

अंक विभाजन :

- दीर्घ प्रश्न : 3×15=45
- व्याख्या : 3×7=21
- लघु प्रश्न : 4×3.5 =14

निर्देश :

क) छः दीर्घ प्रश्न 'सूरसागर' के दो अध्यायों में से पूछे जायेंगे जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक अध्याय से कम से कम एक आलोचनात्मक प्रश्न अनिवार्य होगा।

ख) 'सूरसागर' के दोनों अध्यायों में से छह पद्यांश दिए जायेंगे जिनमें से किन्ही तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक अध्याय में से कम से कम एक व्याख्या अनिवार्य होगी।

ग) लघूत्तरी प्रश्नों के रूप में कुल छः प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से किन्ही चार का उत्तर देना होगा। **(शब्द सीमा 80–100 शब्द)**

1. **'सूरसागर'** (संपादक, धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, जीरो रोड, इलाहाबाद) से दो अध्याय

   क) वृन्दावन लीला

   ख) उद्धव संदेश

2. **लघूत्तरी प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम : अन्य कृष्णभक्त कवि**

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

क) नन्ददास
ख) नरोत्तमदास
ग) रसखान
घ) सूरदास मदनमोहन

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर –चार ,

तृतीय प्रश्न पत्र : विकल्प : 3

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 80

आंतरिक मूल्यांकन– 20

हिन्दी उपन्यास

अंक विभाजन

सप्रसंग व्याख्या 3×7=21

दीर्घ–उत्तर सापेक्ष आलोचनात्मक प्रश्न 3×15=45

लघु–उत्तर सापेक्ष प्रश्न 4×3.5 =14

आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में बंटा हुआ है।

क) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः गद्यांश 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्याएं करनी अनिवार्य होगी। प्रत्येक उपन्यास से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।

3×7=21

ख) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम से कुल छः दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न अथवा रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक रचना में से एक आलोचनात्मक प्रश्न करना अनिवार्य है।

3×15=45

ग) इस भाग में निर्धारित पाठ्यक्रम में से

छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है।

4×3.5=14

खंड (क)

निर्धारित उपन्यास

1. बाण भट्ट की आत्मकथा
2. मैला आंचल
3. चित्रलेखा

खंड–ख

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम– छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 80–100 शब्द)

1. मृगनयनी
2. सूरज का सातवां घोड़ा
3. महाभोज
4. बूंद और समुद्र

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

गोपाल राय, हिन्दी कथा साहित्य, ग्रन्थ निकेतन, चौधरी टोला, पटना

मैनेजर पांडेय, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

राजेन्द्र यादव, उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सुषमा धवन, हिन्दी–उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गुरमीत सिंह, धर्मवीर भारती का साहित्य, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

नीरजा सूद, समकालीन महिला उपन्यास लेखन एक अन्तर्दृष्टि, निर्मल पब्लिकेशनस, दिल्ली

गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

यश गुलाटी, प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग–1), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

नीरजा सूद, मन्नू भंडारी के उपन्यास–साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन, सूर्य भारती प्रकाशन, दिल्ली ।

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर चार | पूर्णांक — 80

प्रश्न पत्र–3 | आंतरिक मूल्यांकन — 20

हिन्दी नाटक विकल्प–4 | समय — 3 घंटे

अंक विभाजन :

व्याख्या	3×7 =21
दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न	3×15 =45
लघूतरी प्रश्न	4×3.5=14

निर्देश :

1. यह प्रश्न पत्र दो खंडों मे विभाजित है। खंड क में तीन नाटकों में से विकल्प अथवा के रूप में छः व्याख्याएं और छः दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से तीन व्याख्याएं और तीन आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक रचना से एक आलोचनात्मक प्रश्न और एक व्याख्या करनी अनिवार्य है।

खंड (ख) के अंतर्गत छः प्रश्नों में से चार के उत्तर देने होंगे। ये प्रश्न रचना की मूल संवेदना, प्रतिपाद्य एवं रचना की भाषा से संबंधित होंगे।

प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 80 से 100 है ।

खंड–क

आलोच्य एवं संदर्भगत नाटक

1. अंधा युग : धर्मवीर भारती
2. मादा कैक्टस : लक्ष्मीनारायण लाल
3. आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

खंड (ख)

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

1. बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
2. हयवदन : गिरीश कर्नाड
3. एक और द्रोणाचार्य : शंकरशेष
4. जिस लाहौर नहीं देख्या : असगर वजाहत

एम. ए. हिन्दी, सेमेस्टर–चार	पूर्णांक	– 80
प्रश्न पत्र–3, विकल्प–5	आंतरिक मूल्यांकन	– 20
व्यावहारिक हिन्दी पत्रकारिता	समय	– 3 घंटे

निर्देश व अंक–विभाजन :

1. इस प्रश्नपत्र के दो खंड होंगे। दोनों खंडों से चार–चार दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से हर खंड से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

4×15 =60

2. लघूत्तरी प्रश्न दोनों खंडों से पूछे जाएंगे, जिनमें 8 प्रश्नों में सें 5 के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा लगभग 80–100 शब्द)

5×4=20

खंड एक

1. समाचार संकलन व लेखन के सिद्धान्त, छह ककार, समाचार का गठन, समाचार के स्रोत, समाचार फीचर व रिपोर्ताज लेखन ।
2. दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट माध्यमों का विकास, आनलाइन पत्रकारिता की स्थिति, सोशल मीडिया के नए माध्यम की चुनौंतियां ।
3. संपादन कला के सिद्धान्त व सावधानियां, शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, प्रस्तुति प्रक्रिया, विभिन्न स्तंभों की योजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की योजना, सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग।

खंड–दो

1. रिपोर्टिंग के सिद्धान्त, संवाददाताओं की श्रेणियां, साक्षात्कार का अर्थ, महत्व एवं तैयारी
2. मीडिया शब्दावली: बीट, इंट्रो, इन्सेट, कवर स्टोरी, एडीशन, फलोंअप, बाईलाइन, होल्ड ओवर, ब्यूरो, बैनर, मास्क हेड, ब्लोअप, स्कूप, स्टिंग आपरेशन, ई–एडीशन, ई–पेपर, कैप्शन, कैरी ओवर, बैकग्राउंडर, फोलियो लाइन, डेडलाईन, डमी, फलैश, मगशाट, न्यूज प्रिंट, ओपड, सैंकड, लीड, राइट अप, स्ट्रिंगर, सब हैडिंग, टेबलाइट आदि।
3. भारत में प्रेस कानून, भारतीय संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार और मुक्त प्रेस की अवधारणा, भारतीय प्रेस परिषद्।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

1. कृष्णबिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. अर्जुन तिवारी, जनसंचार पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. कमलापति त्रिपाठी व पीडी टंडन, पत्र और पत्रकार, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
4. अंबिकाप्रसाद वाजपेई, समाचार पत्र कला, हिन्दी समिति सूचना विभाग लखनऊ।
5. सुशीला जोशी, हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता, सिद्ध श्री प्रकाशन, जयपुर।
8. अरूण जैन, पत्रकारिता और पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
9. रामचन्द्र तिवारी, पत्रकारिता के सिद्धान्त, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
10. इंद्रसेन सिंह आचार्य, महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता, वाराणसी।
11. शिवप्रसाद भारती, पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. बच्चन सिंह, हिन्दी पत्रकारिता के नए प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. अवधेश कुमार, हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
14. जगदीश्वर चतुर्वेदी, पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
15. सुजाता राम, राष्ट्रीय जागरण और हिन्दी पत्रकारिता का आदिकाल आधार प्रकाशन, पंचकूला।
16. धीरेन्द्रनाथ सिंह, हिन्दी पत्रकारिता : भारतेन्दु पूर्व से लेकर छायावादोतर काल तक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
17. अरविंद मोहन, मीडिया, शासन और बाजार, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
18. राधेश्याम शर्मा, पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
19. चंद्रत्रिखा, लालचंद, गुप्त, चौथे स्तंभ की चुनौतियां, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

एम.ए. द्वितीय वर्ष (हिंदी): सेमेस्टर : IV

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा: ऐच्छिक पेपर : III (विकल्प -VI)

समय : 3 घण्टे कुल अंक : 100

पाठ्यक्रम : 80

आतंरिक मूल्यांकन : 20

- इस प्रश्नपत्र में कुल तीन खण्ड होंगे| खण्ड-1 में निर्धारित कवि से कुल **चार**व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी|
- खण्ड-2 में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 3 प्रश्न करना अनिवार्य होगा| सम्पूर्ण रचना को आधार मानकर प्रश्न पूछे जाएंगे| राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा का महत्त्व, विशेषताएँ, उद्देश्य सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं|
- खण्ड-3 में निर्धारित पाठ्यक्रम में से कुल 15अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे| कवि का जन्म-मृत्यु, सम्मान, काव्य-संग्रहों के नाम, महत्त्वपूर्ण कविताओं के नाम, युग विशेष का प्रभाव, भाषा-शैली, विचारधारा से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे|

खण्ड-1

- सियारामशरण गुप्त : बापू (खण्ड काव्य) 10+10=20

खण्ड-2

- सियारामशरण गुप्त : बापू (खण्ड काव्य) 15x3=45

खण्ड-3

- माखनलाल चतुर्वेदी, सियारामशरण गुप्त, बालकृष्णशर्मा 'नवीन', केदारनाथ मिश्र 'प्रभात', लोचन प्रसाद पाण्डेय, रामनरेश त्रिपाठी 15x1=15

सन्दर्भ पुस्तकें :

- सियारामशरण गुप्त, बापू (खण्डकाव्य), श्रीरामकिशोर गुप्त, साहित्य प्रेस, चिरगाँव
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, नन्दकिशोर नवल, साहित्य अकादमी, 2006
- माखनलाल चतुर्वेदी, हितरंगिनी, हिमकिरीटनी, हिमतरंगिनी, हिमकिरीटनी, वेणु लो गूँजे धरा क्रमवार संग्रह में शामिल
- लोचनप्रसाद पाण्डेय की किताबें यहाँ https://epustakalay.com/writer/17107-pandey-lochan-prasad/ उपलब्ध हैं|
- रामनरेश त्रिपाठी की किताबें https://epustakalay.com/writer/142-ramnaresh-tripathi/ यहाँ उपलब्ध हैं|

एम. ए.– हिन्दी, सेमेस्टर–चार

प्रश्न पत्र–4

भारतीय साहित्य

पूर्णांक – 80

आंतरिक मूल्यांकन – 20

समय – 3 घंटे

निर्देश व अंक विभाजन :

1. खंड एक की तीनों रचनाओं से दो–दो आलोचनात्मक दीर्घ उत्तर सापेक्ष प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक रचना से एक प्रश्न का जवाब देना अनिवार्य होगा।

3×20 =60

2. लघूत्तरी प्रश्नों के खंड में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। (लगभग 80–100 शब्द)

5×4=20

खंड एक – भारतीय साहित्य

1. रवींद्रनाथ टैगोर, गीतांजलि (बांग्ला काव्य), मनोज पब्लिकेशन, दिल्ली।

2. विजय तेंदुलकर, घासीराम कोतवाल, (मराठी नाटक), कथा पब्लिकेशन, दिल्ली।

3. यू आर अनंतमूर्ति–संस्कार (कन्नड उपन्यास), भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

खंड– दो

लघूतरी प्रश्नों के लिए पाठ्यक्रम। ये प्रश्न केवल मूल संवेदना और संक्षिप्त परिचय पर आधारित होंगे।

1. चरित्रहीन (शरत्चद्र चट्टोपाध्याय) 2. पींड़ां दा परागा (शिव कुमार बटालवी), 3 रसीदी टिकट (अमृता प्रीतम), 4. अग्निगर्भा (महाश्वेता देवी), 5. मंटो : 15 कहानियां (राजकमल प्रकाशन) 6. मछुआरे (टी. एस. पिल्लै), 7. मृच्छकटिकम् (शूद्रक), 8 वर्षा की सुबह (सीताकांत महापात्र)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

1. नगेंद्र , भारतीय साहित्य, साहित्य सदन, झांसी।

2. भोलाशंकर व्यास, भारतीय साहित्य, चौखंभा, वाराणसी।

3. रामविलास शर्मा, भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. हजारीप्रसाद द्विवेदी, मृत्युंजय रवींद्रनाथ, राजकमल, दिल्ली।

5. विश्वनाथ नखणे, आधुनिक भारतीय चिंतन, राजकमल, दिल्ली।

6. शिशिर कुमार दास, ए हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी; दिल्ली।

7. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा मंदिर, वाराणसी।

8. आर॰ एस॰ मगली, कन्नड साहित्य चरित्र, उषा साहित्य माला, मैसूर।

****